

## खोजते जिसे स्वयं भगवान

कहां छुपा बैठा है अब तक वह सच्चा इंसान,  
खोजते जिसे स्वयं भगवान,

जिसने रूखा सूखा खाया ,  
पर न कहीं ईमान गवाया ,  
उसने ही यह भोग लगाया ,  
जिसे राम ने रूचि से खाया ,  
स्वार्थ रहित सेवा ही उसकी , सेवा सुधा समान,  
खोजते जिसे स्वयं भगवान ॥

जिसने जानी पीर पराई ,  
परहित में निज देह खपाई ,  
जिसने लगन दीप की पाई ,  
तिल तिल कर निज देह जलाई ,  
उसकी आभा से ही होगा , देवी का सम्मान,  
खोजते जिसे स्वयं भगवान ॥

By योगेश तिवारी

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7451/title/khojte-jise-swayam-bhagwan-kaha-chupa-betha-hai-ab-tak-veh-sacha-insaan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |